नई लेदर व फुटवियर पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार

कानपुर-उन्नाव बेल्ट का होगा कायाकल्प, सब्सिडी व स्टांप ड्यूटी में छूट समेत कई सुविधाओं का मिलेगा लाभ

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में नई लेदर व फुटवियर पॉलिसी-2025 लागू होगी। इसके लिए ड्राफ्ट तैयार हो गया है। जल्द ही अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। पॉलिसी का उद्देश्य लेदर व फुटवियर उत्पादन को बढ़ाने, ब्रांडिंग और निर्यात बढ़ाना है। नई नीति के अंतर्गत प्रदेश में निजी इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने वाले डेवलपर्स को सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी में छूट समेत कई प्रकार की सहूलियतें मिलेंगी।

राज्य सरकार का प्रयास है कि नई नीति लाकर लेदर व फुटवियर पार्क के निर्माण व विकास को बढ़ावा दिया जाए। इस पॉलिसी से कानपुर-उन्नाव बेल्ट का कायाकल्प होगा।

नई पॉलिसी का लक्ष्य प्रदेश में लेदर व फुटवियर के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन और निर्यात क्षमता बढ़ाकर राजस्व में वृद्धि करना है। योजना के अनुसार, नई नीति के तहत प्रत्येक एक करोड़ रुपये के निवेश से 20 रोजगार का सृजन करना है। इसके जरिये स्टैंडअलोन फुटवियर व लेदर उत्पाद निर्माण इकाई, फुटवियर व लेदर मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट तथा मेगा एंकर यूनिट को 50 से 150 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित किया जा सकेगा।

क्लस्टर के लिए कम से कम 200 करोड़ तथा एलाइड फुटवियर व लेदर यूनिट से संबंधित संयंत्र, निर्माण इकाई व प्राइवेट पार्क के विकास के लिए कम से कम 150 करोड़ रुपये निवेश करना होगा। प्रत्येक इकाई से 1000 से 3000 रोजगार के अवसर सृजित हो सकेंगे।

निर्माण व संचालन का कार्य 5 वर्षों में करना होगा पूरा

प्रदेश के अतिरिक्त देश में सिर्फ तमिलनाडु ऐसा राज्य है जिसकी खुद की फुटवियर व लेदर प्रोडक्ट्स पॉलिसी है। ऐसे में, पॉलिसी के अंतर्गत प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना 25 से 100 एकड़ में करने वाले डेवलपर्स को अधिकतम 45 करोड़ रुपये तक पूंजीगत सब्सिडी के तौर पर मिल सकेगी। भूमि क्रय में 100 प्रतिशत स्टांप ड्यूटी में छूट मिलेगी। इसके निर्माण व संचालन का कार्य 5 वर्षों में पूरा करना होगा। बड़े प्राइवेट इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना 100 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में होगी। अधिकतम पूंजीगत सब्सिडी 80 करोड़ रुपये तक मिलेगी। इसके निर्माण और संचालन का कार्य भी 5 वर्षों में पूरा करना होगा।

लेदर एक्सपोर्ट में 46 प्रतिशत है यूपी की भागीदारी

यूपी देश के कुल लेदर एक्सपोर्ट में 46 प्रतिशत की भागीदारी रखता है। लेदर व फुटवियर एक्सपोर्ट के लिहाज से आगरा, कानपुर व उन्नाव प्रदेश के सबसे बड़े व प्रमुख केंद्र हैं। यहां 200 से ज्यादा टेनरी हैं। आगरा की तो फुटवियर कैपिटल के तौर पर ख्याति है। कानपुर को सेफ्टी फुटवियर, लेदर एक्सेसरीज व वस्त्र के बड़े हब के तौर पर जाना जाता है। वहीं, लखनऊ और बरेली की उभरते हुए केंद्र के तौर पर पहचान है।